भारत सरकार

रेल मंत्रालय

लोक सभा

22.07.2026 के

अतारांकित प्रश्न सं. 690 का उत्तर

मुंबई शहरी परिवहन परियोजना

690. श्री रविन्द्र दत्ताराम वायकर:
श्री श्रीरंग आप्पा चंदू बारणे:
श्रीमती भारती पारधी:
श्री नरेश गणपत म्हस्के:
डॉ. श्रीकांत एकनाथ शिंदे:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) उपनगरीय रेलवे नेटवर्क (लोकल ट्रेनों) में अत्यधिक भीड़भाड़ को कम करने और यात्री सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए 'मुंबई शहरी परिवहन परियोजना' (एमयूटीपी-3 और एमयूटीपी-3ए) के तहत चालू वित्त वर्ष के दौरान संस्वीकृत और संवितरित की गई कुल धनराशि का ब्यौरा क्या है;

(ख) इस परियोजना के अंतर्गत शामिल महत्वाकांक्षी पहलों, नामतः विरार-दहानू रोड लाइन को चार लाइन का करने, ऐरोली-कलवा लिंक और पनवेल-कर्जत दोहरी लाइन की वर्तमान तकनीकी प्रगति क्या है;

(ग) अत्यधिक भीड़भाड़ वाली चलती लोकल ट्रेनों से यात्रियों के गिरने के कारण होने वाली दुर्घटनाओं और मृत्यु को रोकने के लिए लागू किए जा रहे विशिष्ट सुरक्षा उपायों (जैसे प्लेटफॉर्म स्क्रीन डोर्स या स्वचालित दरवाजे) का ब्यौरा क्या है;

(घ) क्या मुंबई रेलवे विकास कॉर्पोरेशन (एमआरवीसी) की लंबित परियोजनाओं में तेजी लाने के लिए केंद्र और राज्य सरकारों के बीच लागत-साझाकरण को लेकर वर्तमान में कोई समन्वय संबंधी चुनौतियाँ हैं; और

(ङ) यात्रा को अधिक सुरक्षित और आरामदायक बनाने के लिए अगले दो वर्षों के दौरान नई वातानुकूलित (एसी) और गैर-वातानुकूलित (गैर-एसी) लोकल ट्रेन सेवाएं शुरू करने की योजना का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (ङ): मुंबई उपनगरीय क्षेत्र में संपर्कता और क्षमता में सुधार लाने में मुंबई उपनगरीय परिवहन परियोजना (एमयूटीपी-I) को ₹4502 करोड़, (एमयूटीपी-II) को ₹8,087 करोड़,

एमयूटीपी-III को ₹10,947 करोड़ और एमयूटीपी-IIIए को ₹33,690 करोड़ की लागत पर स्वीकृत किया गया है। कार्य की प्रगति निम्नानुसार हैं:-

क्र.सं.	परियोजना का नाम	कार्य की स्थिति
1	बेलापुर-सीवुड-उरण डबल लाइन (27 कि.मी.)	कार्य पूरा हो गया है।
2	बोरीवली-विरार (26 कि.मी.) का चौहरीकरण	कार्य पूरा हो गया है
3	कुर्ला-ठाणे 5वीं और 6वीं लाइन (17.63 कि.मी.)	कार्य पूरा हो गया है।
4	माहिम-सांताक्रूज़ 5वीं लाइन (4.68 कि.मी.)	कार्य पूरा हो गया है।
5	अंधेरी-गोरेगांव के बीच हार्बर लाइन का विस्तार (5.22 कि.मी.)	कार्य पूरा हो गया है।
6	थाने-दिवा के बीच 5वीं और 6वीं लाइन (9.44 कि.मी.)	कार्य पूरा हो गया है।
7	सीएसएमटी- कुर्ला 5वीं और 6वीं लाइन (17.5 कि.मी.)	चरण-I (कुर्ला - परेल , 10.1 कि.मी.): कार्य प्रगति पर है। 12 छोटे पुलों में से 1, 4 स्टेशन भवनों में से 2 का कार्य पूर्ण हो गया है। शीव आरओबी के पुनर्निर्माण का कार्य चल रहा है। चरण-II (परेल- सीएसएमटी, 7.4 किमी.): भूमि अधिग्रहण का कार्य शुरू हो गया है।
8	मुंबई सेंट्रल- बोरीवली छठी लाइन (30 किमी)	चरण-I (बोरीवली - खार रोड, 17 किमी): चालू किया जा चुका है।

		चरण-II (खार रोड - मुंबई सेंट्रल): भूमि अधिग्रहण का कार्य शुरू हो गया है।
9	विरार-दहानू रोड तीसरी और चौथी लाइन (64 किमी.)	कार्य प्रगति पर है। 16 बड़े पुलों में से 13, 68 छोटे पुलों में से 53, सभी 4 निचले सड़क पुल, 128 किमी. में से 31 किमी. रेलपथ बिछाने का कार्य पूर्ण हो चुका है।
10	पनवेल-कर्जत उपनगरीय गलियारा (29.6 किमी)	कार्य पूर्ण होने के अग्रिम स्तर में है। सभी 3 सुरंगें (3 कि.मी.), 5 ऊपरी सड़क पुल, 16 निचले सड़क पुल, 9 बड़े पुल, 35 छोटे पुल, 70 किमी. में से 67 कि.मी. रेलपथ बिछाने का कार्य पूर्ण हो चुका है।
11	ऐरोली-कलवा (एलिवेटेड) उपनगरीय कॉरिडोर लिंक (3.3 किमी.)	चरण-I (दीघा में हॉल्ट स्टेशन): चालू किया जा चुका है। चरण-II (ऐरोली-कलवा एलिवेटिड रेलपथ, 3.3 कि.मी.): भूमि अधिग्रहण और आरएंडआर का कार्य शुरू हो गया है।
12	अतिक्रमण नियंत्रण (34 स्थान)	कार्य पूरा हो गया है।
13	गोरेगांव-बोरीवली हार्बर लाइन का विस्तार (7 किमी)	भूमि अधिग्रहण का कार्य शुरू हो गया है।
14	बोरीवली-विरार 5 वीं और 6 वीं लाइन (26 किमी.)	23 में से 5 पैदल पार पुल के विस्तार का कार्य पूर्ण हो गया है। बड़े और छोटे पुलों का कार्य प्रगति पर है।
15	कल्याण-आसनगांव चौथी लाइन (32 किमी)	92 छोटे पुलों में से 4 पूर्ण हो गया है। 28 हेक्टेयर में से 17 हेक्टेयर भूमि के अधिग्रहण का कार्य पूर्ण हो गया।

		7 बड़े पुलों पर कार्य प्रगति पर है।
16	कल्याण-बदलापुर तीसरी और चौथी लाइन (14 किमी.)	2 में से 1 बड़ा पुल, 4 में से 2 ऊपरी सड़क पुल, 40 में से 30 छोटे पुल का कार्य पूर्ण हो चुका है।
17	कल्याण यार्ड रीमॉडलिंग का कार्य	यार्ड रीमॉडलिंग का कार्य प्रगति पर है।
18	तीसरी और चौथी लाइन बदलापुर- कर्जत (32.46 किमी.)	डिज़ाइन और ड्राइंग पर कार्य शुरू हो गया है।
19	चौथी लाइन आसनगांव - कसारा (34.97 किमी.)	डिज़ाइन और ड्राइंग पर कार्य शुरू हो गया है।

वर्तमान वित्तीय वर्ष 2026-27 में मुंबई शहरी परिवहन परियोजनाओं के लिए ₹2,213 करोड़ की राशि आबंटित की गई है। केंद्र और राज्य सरकार के बीच लागत साझा करने के लिए कोई समन्वय संबंधी चुनौती नहीं है।

यात्री वहन क्षमता में वृद्धि करने और संरक्षा उपायों में सुधार के लिए, एमयूटीपी-III और एमयूटीपी-IIए के तहत 19,293 करोड़ रुपये की लागत वाली ऑटोमैटिक डोर क्लोजिंग सिस्टम वाले 12 यानों वाले 238 रेकों को मंजूरी दी गई है। इन रेकों के प्रापण की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

मुंबई क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले विभिन्न स्टेशनों पर निम्नलिखित क्षमता संवर्धन कार्यों की शुरुआत की गई है:

क्र.सं.	स्थान	विवरण
1.	बांद्रा टर्मिनस	3 पिट लाइन का कार्य पूर्ण हो चुका है
2.	मुंबई सेंट्रल	24 एलएचबी कोचों के लिए प्लेटफार्म का विस्तार

3.	जोगेश्वरी	5 नए प्लेटफ़ॉर्म 2 पिट लाइनें
4.	दादर	1 अतिरिक्त प्लेटफ़ॉर्म
5.	विरार क्षेत्र	वसई : 6 प्लेटफॉर्म, 3 पिट लाइन और 5 स्टेबलिंग लाइन
6.		नायगांव : 30 स्टेबलिंग लाइनें
7.		विरार : 2 स्टेबलिंग लाइनें
8.	दहानु क्षेत्र	दहानु : 5 स्टेबलिंग लाइनें न्यू वनगांव : 30 स्टेबलिंग लाइनें
9.	पनवेल - कलंबोली	5 प्लेटफॉर्म, 4 पिट लाइन, 2 स्टेबलिंग लाइन और 2 सिक लाइन
10.	कल्याण	6 प्लेटफ़ॉर्म और 4 पिट लाइनें
11.	लोकमान्य तिलक टर्मिनस	4 प्लेटफ़ॉर्म और 2 पिट लाइनें
12.	परेल	6 प्लेटफ़ॉर्म, 5 पिट लाइन, 6 स्टेबलिंग लाइन

वर्तमान में, उप-नगरीय रेल यात्रियों की आवश्यकताओं को पूर्ण करने के लिए, पश्चिम रेल और मध्य रेल द्वारा 3234 ईएमयू उप-नगरीय गाड़ी सेवाएं जिनमें अवातानुकूलित और वातानुकूलित ईएमयू दोनों सेवाओं को शामिल किया गया है, का परिचालन किया जाता है।

पश्चिम रेल द्वारा 145 वातानुकूलित ईएमयू गाड़ी सेवाओं सहित 1414 गाड़ी सेवाओं का परिचालन किया जाता है जबकि मध्य रेल द्वारा 120 वातानुकूलित ईएमयू गाड़ी सेवाओं सहित 1820 गाड़ी सेवाओं का परिचालन किया जाता है।

वर्तमान में 15 यान वाली ईएमयू सेवाओं की 266 अदद सहित इएमयू सेवाएं परिचालित की जा रही है, जिनका उद्देश्य यात्रियों को अधिक सुविधा और आरामदायक यात्रा प्रदान करना है।

इसके अलावा, किसी भी मार्ग/खंड पर ईएमयू सेवाओं की शुरुआत करना एक सतत प्रक्रिया है और विभिन्न कारकों पर निर्भर करता है जिनमें शामिल हैं:

- रेलखंड की क्षमता
- पथ की उपलब्धता,
- अपेक्षित चल स्टॉक की उपलब्धता,
- चल स्टॉक के लिए उपयुक्त अवसंरचना की उपलब्धता,
- रेलपथ और अन्य परिसंपत्तियों की अनुरक्षण आवश्यकता
- खंड की अधिभोगिता और यातायात आवश्यकता

महाराष्ट्र

रेल बजट:

पिछले पांच वर्षों के दौरान बजट आबंटन में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। महाराष्ट्र राज्य में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाली अवसंरचना परियोजनाओं और संरक्षा कार्यों के लिए बजट आवंटन निम्नानुसार है:

अवधि	परिव्यय
2009-14	₹1,171 करोड़ प्रतिवर्ष
2026-27	₹23,926 करोड़ (20 गुना से अधिक)

रेलपथ निर्माण:

वर्ष 2009-14 और 2014-26 के दौरान महाराष्ट्र राज्य में राज्य में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाले नए रेलपथ के निर्माण का ब्यौरा निम्नानुसार है:

अवधि	कमीशन किए गए नए रेलपथ	नए रेलपथों की औसत कमीशनिंग
2009-14	292 कि.मी.	58.4 कि.मी. प्रतिवर्ष
2014-26	2,585 कि.मी.	215.4 कि.मी. प्रतिवर्ष (लगभग 4 गुना)

स्वीकृत परियोजनाएं:

01.04.2026 की स्थिति के अनुसार, महाराष्ट्र राज्य में पूर्णतः/अंशत: पड़ने वाली कुल 5,956 किलोमीटर लंबाई की 52 परियोजनाएं (13 नई लाइनें, 02 आमान परिवर्तन और 37 दोहरीकरण), जिनकी लागत 1,42,635 करोड़ रुपए है, स्वीकृत की गई हैं। इनका सारांश निम्नानुसार है:-

कोटि	स्वीकृत परियोजनाओं की संख्या	कुल लंबाई (किलोमीटर में)	मार्च 2026 तक कमीशन की गई लंबाई (किलोमीटर में)	मार्च 2026 तक कुल व्यय (करोड़ रुपए में)
नई लाइन	13	1,399	266	13,065
आमान परिवर्तन	02	609	334	5,013
दोहरीकरण/ मल्टीट्रैकिंग	37	3,948	998	16,704
कुल	52	5,956	1,598	34,782

हाल ही में पूर्ण की गई परियोजनाएं:

महाराष्ट्र में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाली तथा हाल ही में पूरी हुई कुछ परियोजनाओं का विवरण निम्नानुसार है:

क्र. सं.	परियोजना	लागत (करोड़ रुपए में)
1.	पुणे-मिरज-लोंडा दोहरीकरण (467 किलोमीटर)	6,463
2.	होतगी-कुडगी-गडग दोहरीकरण (284 किमी)	2,459
3.	मनमाड-जलगांव तीसरी लाइन (160 किलोमीटर)	1,677

4.	जबलपुर-गोंदिया आमान परिवर्तन (300 किलोमीटर)	2,005
5.	छिंदवाड़ा-नागपुर आमान परिवर्तन (150 किलोमीटर)	1,512
6.	पनवेल-पेन दोहरीकरण (35 किलोमीटर)	263
7.	पेन-रोहा दोहरीकरण (40 किलोमीटर)	330
8.	उधना-जलगांव दोहरीकरण (307 किलोमीटर)	2,448
9.	मुदखेड-परभणी दोहरीकरण (81 किलोमीटर)	673
10.	भुसावल-जलगांव तीसरी लाइन (24 किलोमीटर)	325
11.	जलगांव-भुसावल चौथी लाइन (24 किलोमीटर)	261
12.	दौंड-गुलबर्गा दोहरीकरण (225 किलोमीटर)	3,182
13.	दौंड-मनमाड दोहरीकरण (236 किलोमीटर)	3,426

चल रही परियोजनाएं

महाराष्ट्र राज्य में रेल अवसंरचना में अधिक सुधार लाने के लिए निम्नलिखित कार्य शुरू किए गए हैं:

क्र. सं.	परियोजना का नाम	लागत (करोड़ रुपए में)
1	अहल्यानगर-बीड-परली वैजनाथ नई लाइन (261 किलोमीटर)	5,800
2	बारामती-लोनंद नई लाइन (64 किलोमीटर)	1,844
3	वर्धा-नांदेड़ नई लाइन (284 किलोमीटर)	5,248
4	इंदौर-मनमाड नई लाइन (360 किलोमीटर)	18,529
5	वडसा-गढ़चिरौली नई लाइन (52 किलोमीटर)	1,886
6	जालना और जलगांव नई लाइन (174 किलोमीटर)	5,804
7	वर्धा-नागपुर तीसरी लाइन (76 किलोमीटर)	917
8	वर्धा-बल्हारशाह तीसरी लाइन (132 किलोमीटर)	1,755
9	इटारसी-नागपुर तीसरी लाइन दोहरीकरण (280 किलोमीटर)	2,607
10	राजनांदगांव-नागपुर तीसरी लाइन (228 किलोमीटर)	3,545
11	वर्धा-नागपुर चौथी लाइन (79 किलोमीटर)	1,215
12	जलगांव-मनमाड चौथी लाइन (160 किलोमीटर)	2,574
13	भुसावल-खंडवा तीसरी और चौथी लाइन (131 किलोमीटर)	3,285
14	सोलापुर-तुलजापुर-उस्मानाबाद नई लाइन (84 किमी)	3,296
15	पनवेल-चौक डबल लाइन (17 किमी)	491

16	वर्धा-बल्हारशाह चौथी लाइन (135 किमी)	2,226
17	इटारसी-नागपुर चौथी लाइन (297 किमी)	5,010
18	वर्धा-भुसावल तीसरी और चौथी लाइन (314 किमी)	9,197
19	गोंदिया-डोंगरगढ़ चौथी लाइन (84 किमी)	2,223
20	गोंदिया-बल्हारशाह दोहरीकरण (240 किमी)	4,819
21	कल्याण-कसारा तीसरी लाइन (68 किमी)	1,433
22	नायगांव-जुईचेंद्र डबल कॉर्ड लाइन (5 किमी)	176
23	निलजे-कोपर डबल कॉर्ड लाइन (5 किमी)	338
24	बदलापुर-कर्जत तीसरी और चौथी लाइन (32 किमी)	1,324
25	आसनगांव-कसारा चौथी लाइन (35 किमी)	794
26	कसारा-मनमाड तीसरी और चौथी लाइन (131 किमी)	10,154
27	गोंदिया -जबलपुर दोहरीकरण (231 किमी)	5,236
28	चालीसगांव रेल ओवर रेल फ्लाईओवर (11 किमी)	264
29	चिखली और सोमताने के बीच कॉर्ड लाइन (4 किमी)	172

रेल परियोजना/ओं का पूरा होना कई कारकों पर निर्भर करता है, जिनमें निम्नलिखित शामिल हैं:

राज्य सरकार द्वारा भूमि अधिग्रहण

- **वन संबंधी स्वीकृति**
- **अतिलंघनकारी जनोपयोगी सुविधाओं का स्थानांतरण**
- **विभिन्न प्राधिकरणों से सांविधिक स्वीकृतियाँ**
- **क्षेत्र की भूवैज्ञानिक और स्थलाकृतिक परिस्थितियाँ**
- **परियोजना स्थल के क्षेत्र में कानून और व्यवस्था की स्थिति**
- **परियोजना स्थल विशेष के लिए वर्ष में कार्य करने के महीनों की संख्या आदि।**

ये सभी कारक परियोजना/ओं के पूर्ण होने के समय और लागत को प्रभावित करते हैं।

******